अल्लाह के पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विषय में संक्षिप्त वर्णन

[**हिन्दी** – Hindi – هندي]

यूसुफ़ इस्तिस

अनुवादः **साइट रसूलल्लाह**

संशोधन व शुद्धिकरणः **अताउर्रहमान ज़ियाउल्लाह**

2014 - 1435

IslamHouse.com

﴿وصف موجز لرسول الله محمد صلى الله عليه وسلم﴾

« باللغة الهندية »

يوسف استس

ترجمة: موقع نصرة رسول الله صلى الله عليه وسلم

مراجعة و تصحيح: عطاء الرحمن ضياء الله

2014 - 1435

IslamHouse.com

بِسۡمِ ٱللَّهِ ٱلرَّحۡمَٰنِ ٱلرَّحِيمِ

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

मैं अति मेहरबान और दयालु अल्लाह के नाम से आरम्भ करता हूँ।

إن الحمد لله نحمده ونستعينه ونستغفره، ونعوذ بالله من شرور أنفسنا، وسيئات أعمالنا، من يهده الله فلا مضل له، ومن يضلل فلا هادي له، وبعد:

हर प्रकार की हम्द व सना (प्रशंसा और गुणगान) केवल अल्लाह के लिए योग्य है, हम उसी की प्रशंसा करते हैं, उसी से मदद मांगते और उसी से क्षमा याचना करते हैं, तथा हम अपने नफ्स की बुराई और अपने बुरे कामों से अल्लाह की पनाह में आते हैं, जिसे अल्लाह तआला हिदायत प्रदान कर दे उसे कोई पथभ्रष्ट (गुमराह) करने वाला नहीं, और जिसे गुमराह कर दे उसे कोई हिदायत देने वाला नहीं। हम्द व सना के बाद :

अल्लाह के पैगंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के विषय में संक्षिप्त वर्णन

हो सकता है कि आप एक प्रोटेस्टेंट या कैथोलिक ईसाई हों, या एक यहूदी हों। हो सकता है कि आप एक नास्तिक हों, या फिर आप प्रोक्ष (ग़ैब की चीज़ों) को न मानने वालों में से हों, या फिर आपका संबंध हमारे समकालीन दुनिया के धार्मिक समुदायों में से किसी समुदाय से हो। तथा संभावित है कि आप एक साम्यवादी हों, या यह मानने वालों में से हों कि मानव लोकतंत्र ही इस धरती पर आधार है। बहरहाल, आपके राजनीतिक विचार या मान्यतायें या सामाजिक परंपरायें जो कुछ भी हों, पर इसमें कोई शक नहीं कि

आप इस पुरुषः मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) को जानते होंगे।

निःसंदेह वह इस धरती पर क़दम रखनेवालों में सबसे महान हैं। उन्हों ने इस्लाम धर्म की ओर लोगों को आमंत्रित किया, एक राज्य की स्थापना की, एक राष्ट्र का निर्माण किया और नैतिकता की नींव डाली। इसके अलावा बहुत सारी राजनीतिक और सामाजिक स्थितियों को ठीक किया और इसके माध्यम से एक स्वस्थ, सशक्त और प्रभावी समाज की स्थापना की जिसके अंदर समयं के अंत तक लोगों के जीवन को बदलने के लिए शिक्षाएं उपलब्ध हैं।

मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ५७० ई॰ में अरब प्रायद्वीप में पैदा हुए। जब आप चालीस वर्ष की उम्र को पहुँचे तो अल्लाह के सच्चे धर्म इस्लाम की ओर लोगों को आमंत्रित करने के अपने मिशन (दूत-कर्म) का आरंभ किया और जब आप अपनी उम्र के तिरसठवें साल को पहुँचे तो इस संसार से चल बसे।

आप ने ईश्दूतत्व के मात्र इन तेईस सालों के दौरान ही पूरे अरब प्रायद्वीप को मूर्ति पूजा और बुतपरस्ती से हटाकर एक अल्लाह की पूजा में लगा दिया। गोत्रीय विवादों और युद्धों के दलदल से निकाल कर एक समायोजित और संगठित समुदाय में बदल दिया, इसी तरह मादकता और मस्ती के कीचड़ से निकाल

कर नेकी और ईश्वर भक्ति के रस्ते पर खड़ा कर दिया, अराजकता और गोत्रवाद के जीवन से मुक्त कर आज्ञाकारिता और मार्गदर्शन के जीवन पर लगा दिया और नैतिक पतन की अथाह गहराई से निकाल कर शिष्टाचार के शिखर पर ला खड़ा किया।

इतिहास की आंखों ने, इससे पहले या इसके बाद, किसी स्थान या लोगों का इस प्रकार का पूर्ण परिवर्तन कभी नहीं देखा, तथा आप कल्पना कर सकते हैं कि यह सब बदलाव एक ऐसी अवधि के दौरान घटित हुआ जो दो दशकों से कुछ ही ज़्यादा है।

इस संसार में बहुत से महान लोग गुज़रे हैं, परन्तु वे जीवन के केवल एक या दो क्षेत्रों में ही उत्कृष्ट हुए जैसे धार्मिक मान्यताओं या सैन्य नेतृत्व। परंतु समय के बीतने के साथ-साथ उनकी शिक्षाएं भी मिटती गईं। उनके जन्म के समय एवं स्थान, उनके जीवन की शैली और रहन-सहन, उनकी शिक्षाओं के विस्तार और प्रकृति, उनकी सफलता या विफलता के माप और डिग्री के बारे में इतनी अटकलें हैं कि मानवता के लिए इन लोगों के जीवन और शिक्षाओं को फिर से सही रूप से संगठित करना असंभव है।

लेकिन मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के बारे में ऐसा बिल्कुल नहीं है, क्योंकि आप ने मानव

विचारों और आचरणों के विभिन्न क्षेत्रों में पूरी तरह सफलता प्राप्त किया, और मानव इतिहास में सूर्य की तरह चमके बल्कि पूरे मानव इतिहास में आपका कोई उदाहरण नहीं। यही नहीं बल्कि आपके निजी और सार्वजनिक जीवन की प्रत्येक घटना एक-एक करके विश्वसनीय रूप से संरक्षित की गई है, और ईमानदारी के साथ सदा के लिए उन बातों को सुरक्षित कर दिया गया है। इन संरक्षित रिकॉर्ड की प्रामाणिकता मात्र आपके वफादार अनुयायियों द्वारा ही नहीं बल्कि आपके पक्षपातपूर्ण आलोचकों द्वारा भी प्रमाणित है।

मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम एक धार्मिक गुरु, एक समाज सुधारक, एक नैतिक रहनुमा, एक आदर्श शासक, एक वफादार मित्र, एक अच्छे साथी, एक ईमानदार पति, एक प्रेम करनेवाले पिता थे। यह सब गुण उनमें एक साथ उपस्थित थे। इतिहास में कोई भी व्यक्ति इन सभी गुणों में उनसे आगे नहीं हो सका। आगे बढ़ना तो दूर की बात है बल्कि जीवन के किसी एक क्षेत्र में भी उनकी बराबरी तक नहीं कर सका। वह अपना उदाहरण खुद थे दूसरा कोई आपके जैसा न होसका।

मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम एक मनुष्य ही थे। परन्तु वह एक महान मिशन के आदमी थे,

जिनका काम पूरी मानवता को केवल एक अल्लाह की पूजा पर एकजुट करना और अल्लाह की आज्ञाकारिता में जीवन बिताने के लिए उसे सत्य मार्ग पर ला खड़ा करना था. अपनी बातों और कामों से सदा यही बात लोगों के दिलों में बैठाने का प्रयास करते थे कि वह खुद केवल परमेश्वर के एक भक्त और उसके पैगंबर हैं.

आज चौदह सौ साल बीत जाने के बाद भी, मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की शिक्षायें बिना किसी प्रकार के घटाव या बढ़ाव या विकृति के हमारे बीच ज़िंदा हैं। जी हाँ, वे आज भी ज़िंदा हैं ताकि मानवता की बीमारियों और रोगों के उपचार की अमर आशा

जगायें जिस तरह कि वे आपके जीवन में करती थीं। और यह मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम के माननेवालों का दावा नहीं है बल्कि यही वह अपरिहार्य निष्कर्ष है जिसे आलोचनात्मक और निष्पक्ष इतिहास ने रिकार्ड किया है।

एक विचारक और चिंतित व्यक्ति के रूप में, आप कम से कम इतना कर सकते हैं कि एक पल के लिए रुककर अपने आप से पूछें कि : क्या ये असाधारण और क्रांतिकारी बातें वास्तव में सच हो सकती हैं? मान लीजिए कि वे सच हैं और आप इस महान पुरुष मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) को नहीं जानते या उनके बारे में नहीं सुना है, तो

क्या अब भी समय नहीं आया कि आप इस ज़बरदस्त चुनौती का उत्तर दें और उस (महान पुरुष) के विषय में जानकारी हासिल करने के लिए कुछ प्रयास करें?

इसमें आपका कुछ भी खर्च नहीं होगा, लेकिन हो सकता है कि यह आपके जीवन में एक पूरी तरह से नए युग की शुरुआत साबित हो। हम आपको इस अद्भुत इन्सान मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) के बारे में खोज करने के लिए आमंत्रित करते हैं, जिसके समान इस धरती पर कभी कोई नहीं गुज़रा।